पंजाब केसरी
SAT,16 MARCH 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

महिला सशक्तिकरण पर महिला विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रारंभ

महिलाओं की वास्तविक समस्याओं, उनके समाधान पर हो शोध : प्रो. सुदेश

गोहाना, 15 मार्च (अरोड़ा): महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक का समुचित उपयोग किए जाने की जरूरत है। साथ ही, गंभीरता से महिला मुद्दों पर चर्चा करते हुए वास्तविक समस्याओं एवं उनके समाधान पर शोध किया जाना चाहिए।

सामाजिक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व दिया जाना चाहिए। यह बात बी.पी.एस. विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने शुक्रवार को इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कही।

प्रो. सुदेश ने साथ दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। 'रेनेसांस ऑफ रेसिलिएंस : वुमन एम्पॉवरिंग दी वर्ल्ड थ्रू एजेस' विषयक इस 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च (ए.एस.एस.एस.आर.) के सहयोग से किया जा रहा है।

सम्मेलन में प्रो. सुदेश पुस्तक का उपहार स्वीकार करते हुए। (अरोड़ा)

उद्घाटन सत्र में बतौर विशिष्ट वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रो. राधा त्रिपाठी तथा प्रो रेखा सक्सेना ने ऑनलाइन शिरकत की।

उन्होंने महिलाओं के लिए रोजगार अवसर सृजित करने, महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता देने के अलावा महिलाओं को घरेलू एवं कार्यस्थल सहित अन्य प्रकार की हिंसा से बचाने के लिए मौजूदा कानूनों पर जानकारी सांझा की। प्रो. रेखा सक्सेना ने चिपको आंदोलन सहित अन्य सामाजिक सुधारों में महिला योगदान पर भी बात रखी।

महिलाओं को और अधिक मौके व आजादी दिए जाने की जरूरत : आशु जे.

ए.एस.एस.एस.आर. के अध्यक्ष आशु जे. ने देश में महिलाओं के सामाजिक और सांस्कृतिक बंधनों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को और अधिक मौके और आजादी दिए जाने की जरूरत है। सम्मेलन के दोपहर कालीन सत्र में वक्ता के रूप में नेपाल से डॉ. नम्रता पांडे तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की प्रो. सीमा बावा ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इसी सत्र में सैक्शनल प्रैजीडैंट के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया से डॉ. फिरदौस अजमत सिद्दीकी, जे.एन.यू, दिल्ली से डॉ. एस. जीवानंदम तथा जानकी देवी मैमोरियल कॉलेज, दिल्ली से डॉ. खुर्शीद आलम उपस्थित रहे।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नेपाल, ईरान के अलावा गोवा, केरल, हरियाणा, आसाम सहित पूरे भारत से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 12 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन सत्र में विभिन्न शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक, प्रतिभागी, विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सामाजिक ढांचे में महिलाओं को दिया जाना चाहिए नेतृत्व- कुलपति प्रो सुदेश

उजाला आज तक

गोहाना,15 मार्च (रामनिवास धीमान) महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक का समुचित उपयोग किए जाने की जरूरत है। साथ ही, गंभीरता से महिला मुद्दों पर चर्चा करते हुए वास्तविक समस्याओं एवं उनके समाधान पर शोध किया जाना चाहिए। सामाजिक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व दिया जाना चाहिए। शुक्रवार को यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कही। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि देश व समाज के उत्थान में महिलाओं का अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नए विचारों को साझा करने का अच्छा मंच हैं। पावर एंपावरस का मंत्र देते हुए कुलपति प्रो. सुदेश ने महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में आगे

लाने की वकालत की। उन्होंने आयोजक टीम का आह्वान किया कि सम्मेलन में सभी के सम्मिलित प्रयासों से दुनिया को बेहतर बनाए जाने पर भी विचार मंथन किया जाए।कुलपति प्रो. सुदेश ने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। 'रेनेसांस ऑफ रेसिलिएंसः वीमेन एम्पॉवरिंग दी वर्ल्ड थ्रू एजेस' विषयक इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च (एएसएसएसआर) के सहयोग से किया जा रहा है। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने स्वागत संबोधन किया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की कन्वीनर तथा इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्षा डॉ अर्चना मलिक ने सम्मेलन की विषय वस्तु साझा की। एएसएसएसआर की हेड (आर एंड डी) सुरभि गांगुली ने सोसायटी की पृष्ठभूमि की जानकारी दी और इस सम्मेलन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का संचालन विधि विभाग की अध्यक्षा डॉ सीमा दहिया ने किया।उद्घाटन सत्र में विभिन्न शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक, प्रतिभागी, विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। फोटो कैप्शन :-15 जीएचएन 4में, सम्मेलन को संबोधित करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश।

8:13

Epaper
epaper.ajitsamachar.com

अजीत समाचार चंडीगढ़

समाज के उत्थान में महिलाओं का अभूतपूर्व योगदान : प्रो. सुदेश

सम्मेलन को संबोधित करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश।

गोहाना, 15 मार्च (रामनिवास धीमान): महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक का समुचित उपयोग किए जाने की जरूरत है। साथ ही, गंभीरता से महिला मुद्दों पर चर्चा करते हुए वास्तविक समस्याओं एवं उनके समाधान पर शोध किया जाना चाहिए। सामाजिक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व दिया जाना चाहिए। शुक्रवार को यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कही। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि देश व समाज के उत्थान में महिलाओं का अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नए विचारों को साझा करने का अच्छा मंच हैं। पावर एंपावरस का मंत्र देते हुए कुलपति प्रो. सुदेश ने महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में आगे लाने की वकालत की। उन्होंने आयोजक टीम का आह्वान किया कि सम्मेलन में सभी के सम्मिलित प्रयासों से दुनिया को बेहतर बनाए जाने पर भी विचार मंथन किया जाए। कुलपति प्रो. सुदेश ने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। 'रेनेसांस ऑफ रेसिलिएंस: वीमेन एम्पॉवरिंग दी वर्ल्ड थ्रू एजेस' विषयक इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च (एएसएसएसआर) के सहयोग से किया जा रहा है। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण ने स्वागत संबोधन किया।

नायब सैनी के मुख्यमंत्री बनने से सभी वर्गों को विकास की उम्मीद जागी : सोनिया परोचा

बराड़ा, 15 मार्च (रहमदीन): भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नायब सैनी के मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंत्री सोनिया परोचा ने 1966 से हरियाणा अलग राज्य बनने के बाद जिला अंबाला से पहली बार नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह चमत्कार और ऐतिहासिक कार्य केवल बीजेपी पार्टी ही में ही संभव है जो एक आम कार्यकर्ता को जमीन से आसमान तक की ऊंचाइयों पर पहचाने का कार्य कर सकती है उनके मुख्यमंत्री बनने से जिला अंबाला के प्रत्येक नागरिक व उनके परिवारों में खुशी का माहौल है।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक का समुचित उपयोग करने की जरूरत : प्रो. सुदेश

वीमेन एम्पॉवरिंग द वर्ल्ड थ्रू-एजेस विषय पर 3 दिवसीय सम्मेलन शुरू

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक का समुचित उपयोग करने की जरूरत है। इसके साथ ही गंभीरता से महिला मुद्दों पर चर्चा करते हुए वास्तविक समस्याओं एवं उनके समाधान पर शोध करना चाहिए और सामाजिक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व देना चाहिए। वह शुक्रवार को विवि के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा रेनेसांस ऑफ रेसिलिएंस : वीमेन एम्पॉवरिंग दी वर्ल्ड थ्रू-एजेस विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करने के उपरांत संबोधित कर रही थीं।

प्रो. सुदेश ने पावर एंपावरर्स का मंत्र देते हुए महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में आगे लाने की वकालत की। इसके साथ ही उन्होंने आयोजक टीम का आह्वान किया कि सम्मेलन में सभी के सम्मिलित प्रयासों से दुनिया को बेहतर बनाए जाने पर भी विचार करें। उन्होंने कहा कि देश व समाज के उत्थान में महिलाओं का अभूतपूर्व योगदान है। वहीं दिल्ली विवि के राजनीति विज्ञान विभाग से प्रो. राधा त्रिपाठी और प्रो. रेखा सक्सेना ने बतौर मुख्य वक्ता महिलाओं के लिए रोजगार अवसर सृजित करने, महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता देने के अलावा महिलाओं को घरेलू एवं कार्यस्थल सहित अन्य प्रकार की हिंसा से बचाने के लिए मौजूदा कानूनों पर जानकारी साझा की। वहीं एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च के अध्यक्ष आशु समेत अन्य वक्ताओं ने महिलाओं को और अधिक मौके व आजादी देने की बात कही। विवि प्रशासन के अनुसार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नेपाल, ईरान, गोवा, केरल, हरियाणा, आसाम सहित देशभर से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस मौके पर प्रो. रवि भूषण, डॉ. अर्चना मलिक, सुरभि गांगुली, डॉ. सीमा दहिया आदि मौजूद रहे।

गोहाना. अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संबोधित करती कुलपति प्रो. सुदेश।

Hindi News

देश व समाज के उत्थान में महिलाओं का अभूतपूर्व योगदान हैः कुलपति प्रो सुदेश

बीपीएसएमवी में महिला सशक्तिकरण पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन प्रारंभ

Girish Saini

Facebook Twitter

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक का समुचित उपयोग किए जाने की जरूरत है। साथ ही, गंभीरता से महिला मुद्दों पर चर्चा करते हुए सामाजिक समस्याओं एवं उनके समाधान पर शोध किया जाना चाहिए। सामाजिक कार्य में महिलाओं को नेतृत्व दिया जाना चाहिए। यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो सुदेश ने शुक्रवार को इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कही।

कुलपति प्रो. सुदेश ने सम्मेलन के विषय को महत्वपूर्ण बताते हुए आयोजक टीम को शुभकामनाएं दी और कहा कि देश व समाज के उत्थान में महिलाओं का अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नए विचारों को साझा करने का अच्छा मंच है। [illegible] कुलपति प्रो. सुदेश ने महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में आगे लाने की वकालत की। उन्होंने आयोजक टीम का आह्वान किया कि सम्मेलन में सभी के सम्मिलित प्रयासों से दुनिया को बेहतर बनाए जाने पर भी विचार मंथन किया जाए।

कुलपति प्रो. सुदेश ने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। 'रीमेकिंग और रीमिक्सिंग: वीमेन एम्पावरिंग दी वर्ल्ड टू एचीव' विषयक इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च (एएसएसएसआर) के सहयोग से किया जा रहा है। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो रवि भूषण ने स्वागत संबोधन किया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की संयोजक तथा इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की अध्यक्षा डॉ अर्चना मलिक ने सम्मेलन की विषय वस्तु साझा की। एएसएसएसआर की हेड (आर एंड डी) सुरभि गांगुली ने सोसायटी की पृष्ठभूमि की जानकारी दी और इस सम्मेलन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का संचालन हिंदी विभाग की अध्यक्षा डॉ सीमा दहिया ने किया।

उद्घाटन सत्र में बतौर विशिष्ट वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो राम त्रिपाठी तथा प्रो रेखा सक्सेना ने ऑनलाइन माध्यम से शिरकत की। उन्होंने महिलाओं के लिए रोजगार अवसर सृजित करने, महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता देने के अलावा महिलाओं को घरेलू एवं कार्यस्थल सहित अन्य प्रकार की हिंसा से बचाने के लिए मौजूद कानूनों पर जानकारी साझा की। प्रो रेखा सक्सेना ने चिपको आंदोलन सहित अन्य सामाजिक सुधारों में महिला योगदान पर भी बात रखी।

एएसएसएसआर के अध्यक्ष अब्बु जे. ने अपने संबोधन में देश में महिलाओं के सामाजिक व सांस्कृतिक संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि महिलाओं को और अधिक मौके व आजादी दिए जाने की जरूरत है। आभार प्रदर्शन एएसएसएसआर की हेड (आर एंड डी) सुरभि गांगुली ने किया।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दोपहर कालीन सत्र में वक्ता के रूप में नेपाल से डॉ नम्रता पांडे तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की प्रो सीमा बावा ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया और अपने विचार प्रस्तुत किए। इसी सत्र में [illegible] के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया से डॉ फिरदौस अजमत सिद्दीकी, जे.एन.यू. दिल्ली से डॉ एस. [illegible] तथा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली से डॉ [illegible] उपस्थित रहे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नेपाल, ईरान के अलावा गोवा, केरल, हरियाणा, असम सहित पूरे भारत से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 12 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन सत्र में विभिन्न शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक, प्रतिभागी, विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

Tags: Women | unprecedented contribution | upliftment of country and society | Vice Chancellor Prof. Sudesh

« PREVIOUS ARTICLE
जालंधर गतिविधियों के विस्तार के लिए जीपू करेगा एनआईटीजालंधर के साथ एमओयू

NEXT ARTICLE »
किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय संयोजक राजू मान का स्वागत किया

WHAT'S YOUR REACTION?

LIKE	LOVE	FUNNY	ANGRY	SAD	WOW
1	0	0	0	0	0

RELATED POSTS

दोआबा कालेज में अभिव्यक्ति समागम आयोजित

नये मुख्यमंत्री के सामने चुनौतियां

भाजपा-जजपा ब्रेकअप क्रैडली है?

COMMENTS

Name
Email
Comment

I'm not a robot

Post Comment

MONDAY 18TH OF MARCH 2024 03:45:13 PM

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Centre approves Rs 699 crore project to double-lane Gujarat...

Tata Steel inaugurates fully automated construction service...

Antim Ardas of Kirpal Singh Bardi on March 17

Devoleena drops first look of 'Bengal 1947': Blend of history...

Infighting in TMC in Bengal's Murshidabad dist over Yusufs...

FOLLOW US

Facebook Twitter Pinterest LinkedIn Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

FairPoint: Credibility deficit stymies Rahul's new guarantee...

Training aircraft crashes at Guna airstrip in MP, woman...

3 caffeine-free ways to boost energy naturally

For the adventurous woman solo travelling

IANS Interview: PM Modi has ensured there's no 'jugaad'...

CONTACT US

For advertisement, news, article, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation

समाज के उत्थान में महिलाओं का अभूतपूर्व योगदान : प्रो. सुदेश

सम्मेलन को संबोधित करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश।

गोहाना, 15 मार्च (रामनिवास धीमान): महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक का समुचित उपयोग किए जाने की जरूरत है। साथ ही, गंभीरता से महिला मुद्दों पर चर्चा करते हुए वास्तविक समस्याओं एवं उनके समाधान पर शोध किया जाना चाहिए। सामाजिक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व दिया जाना चाहिए। शुक्रवार को यह बात भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कही। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि देश व समाज के उत्थान में महिलाओं का अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नए विचारों को साझा करने का अच्छा मंच हैं। पावर एंपावरस का मंत्र देते हुए कुलपति प्रो. सुदेश ने महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में आगे लाने की वकालत की। उन्होंने आयोजक टीम का आह्वान किया कि सम्मेलन में सभी के सम्मिलित प्रयासों से दुनिया को बेहतर बनाए जाने पर भी विचार मंथन किया जाए। कुलपति प्रो. सुदेश ने अन्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। 'रेनेसांस ऑफ रेसिलिएंस: वीमेन एम्पॉवरिंग दी वर्ल्ड थ्रू एजेस' विषयक इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च (एएसएसएसआर) के सहयोग से किया जा रहा है। डीन, फैकल्टी आफ सोशल साइंस प्रो. रवि भूषण ने स्वागत संबोधन किया।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
16-Mar-2024
Page: 9
http://www.ajitsamachar.com/20240316/27/9/1_1.cms

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 16 Mar 2024 - Page 4

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक की जरूरत : सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना। अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रो. सुदेश।

महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक का समुचित उपयोग किए जाने की जरूरत है। साथ ही, गंभीरता से महिला मुद्दों पर चर्चा करते हुए वास्तविक समस्याओं एवं उनके समाधान पर शोध किया जाना चाहिए। सामाजिक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व दिया जाना चाहिए। यह बात बीपीएस विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने शुक्रवार को इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कही। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। रेनेसांस ऑफ रेसिलिएंस : वीमेन एम्पॉवरिंग दी वर्ल्ड थ्रू एजेस विषयक इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च (एएसएसएसआर) के सहयोग से किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में बतौर विशिष्ट वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रो राधा त्रिपाठी तथा प्रो. रेखा सक्सेना ने ऑनलाइन शिरकत की। प्रो. रेखा सक्सेना ने चिपको आंदोलन सहित अन्य सामाजिक सुधारों में महिला योगदान पर भी बात रखी। एएसएसएसआर के अध्यक्ष आशु जे ने देश में महिलाओं के सामाजिक और सांस्कृतिक बंधनों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को और अधिक मौके और आजादी दिए जाने की जरूरत है। दोपहर कालीन सत्र में वक्ता के रूप में नेपाल से डॉ. नम्रता पांडे तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की प्रो. सीमा बावा ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इसी सत्र में सेक्शनल प्रेसिडेंट के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया से डॉ. फिरदौस अजमत सिद्दीकी, जेएनयू, दिल्ली से डॉ. एस. जीवानंदम तथा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली से डॉ खुर्शीद आलम उपस्थित रहे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नेपाल, ईरान के अलावा गोवा, केरल, हरियाणा, आसाम सहित पूरे भारत से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 12 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन सत्र में विभिन्न शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक, प्रतिभागी, विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

महिलाओं की वास्तविक समस्याओं, उनके समाधान पर हो शोध : प्रो. सुदेश

महिला सशक्तिकरण पर महिला विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन प्रारंभ

गोहाना मुद्रिका, 15 मार्च : महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में तकनीक का समुचित उपयोग किए जाने की जरूरत है। साथ ही, गंभीरता से महिला मुद्दों पर चर्चा करते हुए वास्तविक समस्याओं एवं उनके समाधान पर शोध किया जाना चाहिए। सामाजिक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व दिया जाना चाहिए। यह बात बी.पी.एस. विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो सुदेश ने शुक्रवार को इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कही।

प्रो. सुदेश ने साथ दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। 'रेनेसांस ऑफ रेसिलिएंस : वीमेन एम्पॉवरिंग दी वर्ल्ड थ्रू एजेस' विषयक इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एशियाटिक सोसाइटी फॉर सोशल साइंस रिसर्च (ए.एस.एस.एस.आर.) के सहयोग से किया जा रहा है।

उद्घाटन सत्र में बतौर विशिष्ट वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रो राधा त्रिपाठी तथा प्रो रेखा सक्सेना ने ऑनलाइन शिरकत की। उन्होंने महिलाओं के लिए रोजगार अवसर सृजित करने, महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता देने के अलावा महिलाओं को घरेलू एवं कार्यस्थल सहित अन्य प्रकार की हिंसा से बचाने के लिए मौजूदा कानूनों पर जानकारी साझा की। प्रो रेखा सक्सेना ने चिपको आंदोलन सहित अन्य सामाजिक सुधारों में महिला योगदान पर भी बात रखी। ए.एस.एस.एस.आर. के अध्यक्ष आशु जे. ने देश में महिलाओं के सामाजिक और सांस्कृतिक बंधनों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को और अधिक मौके और आजादी दिए जाने की जरूरत है। ।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दोपहर कालीन सत्र में वक्ता के रूप में नेपाल से डॉ. नम्रता पांडे तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की प्रो. सीमा बावा ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। इसी सत्र में सेक्शनल प्रेसिडेंट के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया से डॉ फिरदौस अजमत सिद्दीकी, जे.एन.यू, दिल्ली से डॉ एस. जीवानंदम तथा जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली से डॉ खुर्शीद आलम उपस्थित रहे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नेपाल, ईरान के अलावा गोवा, केरल, हरियाणा, आसाम सहित पूरे भारत से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 12 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन सत्र में विभिन्न शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष, प्राध्यापक, प्रतिभागी, विभाग के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।